मास्को में अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. गिरीश्वर मिश्र द्वारा वक्तव्य

13 से 15 अक्टूबर, 2014 तक मास्को में अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें रूस और यूरेशिया के देशों के हिंदी-विद्वानों और हिंदी-विशेषज्ञों ने भाग लिया। भारत के विदेश मंत्रालय के सहयोग से इस सम्मेलन का आयोजन मास्को स्थित भारतीय दूतावास के जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र ने रूसी राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय, मास्को में किया था। सम्मेलन में मास्को, सेण्ट-पीटर्सबर्ग, व्लदीवस्तोक और रूस के अन्य नगरों के हिंदी विद्वानों के अलावा मध्य एशिया और कोहकाफ़ क्षेत्र के देशों तथा पूर्वी यूरोपीय देशों के हिंदी विशेषज्ञों ने भी भाग लिया।

मास्को के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए रूसी राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय के सहकुलपति प्रोफ़ेसर अलेक्सान्दर बेज़बरादोफ़ ने भारत, उसकी संस्कृति और भारतीय भाषाओं में रूसी अध्येताओं और छात्रों की गहरी दिलचस्पी का ज़िक्र किया। रूस में भारत के राजदूत श्री पी.एस. राघवन ने रूस और इस इलाके के देशों में हिंदी भाषा और साहित्य में ली जाने वाली गहरी रुचि का विश्लेषण किया। राजदूत राघवन ने बड़ी संख्या में रूसी भाषा में किए जा रहे भारतीय साहित्य के अनुवादों, हिंदी भाषाशास्त्र में किए जाने वाले शोधों और हिंदी साहित्य में चित्रित सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अध्ययन करने के लिए किए गए अनुसंधानों की ओर ध्यान आकर्षित किया। राजदूत राघवन ने हिंदी भाषा सीखने और साहित्य का अध्ययन करने की इस क्षेत्र की युवा पीढ़ी की इच्छा की सराहना की।

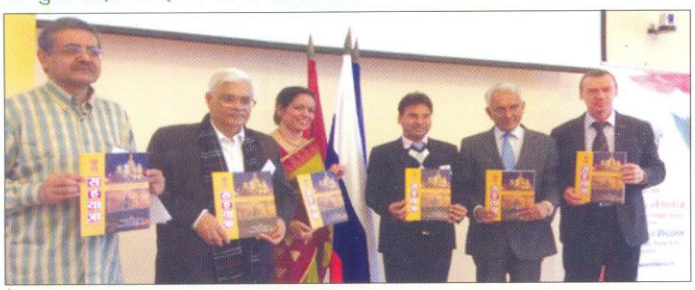

स्मारिका 'सहयात्रा' का लोकार्पण : बाएँ से श्री अनिल जनविजय, प्रो. गिरिश्वर मिश्र, श्रीमती सुनीति शर्मा, महामहिम श्री पी.एस. राघवन, प्रो. अलेक्सान्दर बेज़बरादोफ़

उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीयता एकजुटता सदन के उपनिदेशक अलेक्सेई द्रोज़िन, पद्मश्री अकादमीशियन येव्गेनी चेलिशेव, मास्को राजकीय विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर बरीस ज़ख़ारिन, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलपति प्रोफ़ेसर गिरीश्वर मिश्र, रूसी राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर अलेक्सान्दर स्तालिआरोफ़ और भारत के विदेश मंत्रालय की उप सचिव (हिंदी) सुश्री सुनीति शर्मा ने अपने-अपने शुभकामना संदेश दिए।

मास्को के अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन में हिंदी के कवि कुँवर नारायण की कविताओं के प्रोफ़ेसर ग्युज़ेल स्त्रिलकोवा और अनस्तसीया गूरिया द्वारा रूसी भाषा में किए गए अनुवादों के संग्रह 'नीम के फूल', कवि भूपिन्दर सिंह कजला के काव्य-संग्रह 'जश्न-ए-बहारां' का विमोचन किया गया। सम्मेलन में ही प्रोफ़ेसर सुरेश शर्मा द्वारा प्रसिद्ध हिंदी फ़िल्म संगीतकार के ऊपर बनाए गए वृत्तचित्र 'ख़ैयाम की संगीत-यात्रा' का लोकार्पण और प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर मास्को के जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केन्द्र ने मास्को अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रीय सम्मेलन की स्मारिका 'सहयात्रा' का प्रकाशन भी किया।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन में हिंदी भाषा के अध्ययन और अध्यापन तथा संस्कृति, समाज, सिनेमा, तकनीक और अनुवाद के क्षेत्र में हिंदी की भूमिका तथा रूस और यूरेशियाई देशों में हिंदी के विकास और उससे जुड़ी समस्याओं की चर्चा की गई। यह सम्मेलन 15 अक्टूबर, 2014 मास्को स्थित भारतीय दूतावास के प्रांगण में एक कवि-गोष्ठी के साथ संपन्न हुआ।

सम्मेलन के दौरान महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा और रूसी राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय, मास्को के बीच भारत-विद्या के क्षेत्र में पारस्परिक सहयोग करने के लिए एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए।

श्री संजय वंदे की रिपोर्ट

हिंदी के लिए गूगल का नया मंच, कई टीवी चैनल, अखबार और सरकारी एजेंसियाँ बनीं पार्टनर

दिल्ली में कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री माननीय प्रकाश जावड़ेकर

इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं के कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए गूगल ने एक ऐसा मंच तैयार किया है जो हिंदी वेबसाइट्स का अड्डा होगा। इसके लिए गूगल ने 'भारतीय भाषा इंटरनेट गठबंधन' का ऐलान किया है जो वेब पर हिंदी कंटेंट मुहैया कराएगा। गूगल के कंटेंट पार्टनर में हिंदी के कई अखबार और समाचार चैनलों के अलावा सरकारी एजेंसियाँ शामिल हैं।

अंग्रेज़ी में वॉयस सर्च उपलब्ध करा रहा गूगल ने हिंदी भाषा में भी इस सेवा को जोड़ा है। इसके अलावा तमिल, मराठी और बंगाली जैसी दूसरी भाषाएँ भी गूगल की सूची में हैं। इस मौके पर गूगल ने हिंदी में वॉयस सर्च, हिंदी की-बोर्ड का प्रदर्शन किया और वेबसाइट 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.हिंदीवेब.कॉम' को लॉन्च किया। इस वेब मंच पर हिंदी की तमाम वेबसाइट्स एक साथ मिलेंगी और कंटेंट उपलब्ध कराएँगी। गूगल का यह कदम उन 30 करोड़ भारतीयों को वर्ष 2017 तक इंटरनेट से जोड़ने की कोशिश है जो सिर्फ हिंदी का इस्तेमाल करते हैं।

3 नवंबर, 2014 को नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में गूगल ने इसकी घोषणा की जिसमें केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने भी हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, "भारतीय तकनीक को पसंद करते हैं। आज हर किसी के पास फेसबुक अकाउंट है, लेकिन इस ओर और भी बहुत कुछ किया जा सकता है। अगर तकनीक यूज़र फ्रैंडली हो तो लाखों-करोड़ों लोग इंटरनेट से जुड़ना चाहेंगे।"

मंत्री जावड़ेकर ने कहा कि "पहले हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं के लिए ऐसा कोई मंच नहीं था, लेकिन अब इस एलायंस से लोगों को एक मंच मिलेगा।"

वहीं गूगल इंडिया के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राजन आनंदन ने कहा, "भारत में करीब 20 करोड़ इंटरनेट यूज़र्स हैं। हर महीने मोबाइल के माध्यम से करीब 50 लाख नए यूज़र्स जुड़ रहे हैं। इस रफ्तार से भारत आगामी 12 महीनों में अमेरिका को पीछे छोड़ देगा।"

उन्होंने बताया कि देश में सिर्फ 19.8 करोड़ लोगों के ही अंग्रेज़ी में दक्ष होने का अनुमान है। इनमें से ज़्यादातर इंटरनेट से जुड़े हुए हैं। इसे ध्यान में रखकर 'भारतीय भाषा इंटरनेट गठबंधन' (आइ.एल.आइ.ए.) का गठन किया गया है। आनंदन ने कहा, "यह गठबंधन ऑनलाइन भारतीय भाषा सामग्री को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। आइ.एल.आइ.ए. को उम्मीद है कि 2017 तक भारतीय भाषा बोलने वाले 30 करोड़ लोगों को इंटरनेट से जोड़ा जाएगा।"

समाचार४मीडिया.कॉम से साभार